# DEPARTMENT OF HINDI

## COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

# UG V, VI, VII, VIII Semester

# HINDI

## (Based on Choice Based Credit System)

**SESSION : 2025-26**

**ESTD : 1958**


## GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

**(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)**

**NAAC Accredited Grade A+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)**

**Phone : 0788-2212030**

**Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com**

**Program Outcome for BA Certificate/Diploma/Degree/Honors Course**
**FOUR YEARS UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28) PROGRAMME: BACHELOR IN ARTS AND HUMANITIES DISCIPLINE HINDI Session 2025-26**
**According to NEP-2020**

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर विद्यार्थी -

1. भाषा और साहित्य के व्यापक स्वरूप तथा उसके महत्व को समझने में सक्षम हो सकेंगे।
2. भारतीय ज्ञान परम्परा की निरतंरता, उसके महत्व एवं उस ज्ञान परम्परा से स्वयं एवं समाज को समृद्ध करने की दिशा में अग्रसर हो सकेंगे।
3. प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय साहित्य की अवधारणा को समझ सकेंगे।
4. अपने विचार एवं भावों को मौखिक और लिखित रूप में व्यक्त करने हेतु सक्षम हो सकेंगे।
5. मानविकी और समाज विज्ञान के विषयों के अंतर्संबंधों को समझ कर अपना दृष्टिकोण व्यापक कर सकेंगे।
8. साहित्य और लोकतत्व एवं लोकजीवन से जुड़कर अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकेंगे।
7. विद्यार्थियों में तर्कों एवं प्रमाणों द्वारा प्रत्येक क्षेत्र में निर्णय लेने की क्षमता का विकास हो सकेगा।
8. लैंगिक संवेदनशीलता एवं सद्भाव का विकास हो सकेगा।
9. नवीन संदर्भों में शोध दृष्टि विकसित होगी।
10. आधुनिक तकनीक के साथ हिन्दी के रिश्ते को समझने की क्षमता का विकास होगा।
11. साहित्य के साथ मानव जीवन, विज्ञान तथा पर्यावरण को परिभाषित कर सकेंगे।
12. रोजगार के अवसरों की तलाश, सौंपी गई जिम्मेदारियों के निर्वहन एवं स्वयं का व्यवसाय शुरू करने संबंधी क्षमताओं की समझ का विकास हो सकेगा।

# शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, दुर्ग

## हिन्दी विभाग

## पाठ्यक्रम

## सत्र 2025-2026

च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अंतर्गत (CBCS)

पाठ्यक्रम (हिंदी)

**पंचम सेमेस्टर**

**षष्ठम सेमेस्टर**

**सप्तम सेमेस्टर**

**अष्टम सेमेस्टर**

## DEPARTMENT OF HINDI, GOVT. V.Y.T. PG COLLEGE, DURG
## STRUCTURE OF UG PROGRAMME (HINDI) 2025-26

| Sem. | Core Course (DSC) 3 Courses 4 credits x 3 = 12 credits | Elective (DSE) | Generic Elective (GE) | Ability Enhancement Course (AEC) | Skill Enhancement Course (SEC) | Value Added Course (VAC) | Total Credit |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| V | कथा साहित्य (कहानी और उपन्यास) 04 | भारतीय साहित्य 04 | कथा साहित्य (कहानी और उपन्यास ) GEC 04 | - | कार्यालयीन भाषा अनुप्रयोग interns hip / Project Community Outreach 02 | - | 22 |
| VI | कथेतर गद्य साहित्य 04 | लोक नाट्य परंपरा और हिन्दी 04 | कथेतर गद्य साहित्य 04 | - | विज्ञापन और समाचार लेखन 02 | - | 22 |

| Sem. | Core Course (DSC) 3 Courses 4 credits x 3 = 12 credits | Elective (DSE) | Generic Elective (GE) | Ability Enhancement Course (AEC) | Skill Enhancement Course (SEC) | Value Added Course (VAC) | Total Credit |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| VII | हिन्दी साहित्य का इतिहास( भाग 1 ) (आदिकाल एवं पूर्व मध्य काल ) 04 | I - प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग -1 ( रासो काव्य एवं निर्गुण भक्ति काव्य ) 04 II - **काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन (भाग-1) (साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचना शास्त्र)04** **III** -आधुनिक गद्य साहित्य(भाग-1)04 IV-जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी ( भाग 1 ) **छत्तीसगढ़ी भाषा , संस्कृति एवं लोक वाङ्मय04** **IV वैकल्पिक प्रश्न पत्र - लोक साहित्य भाग - 1, 04** | | | | | 20 |
| VIII | हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग - 2 (उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक ) 04 | I - प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग -2 (सगुण भक्ति काव्य एवं रीति काव्य )04 II - **काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन (भाग-2) (समीक्षा के प्रमुख सिद्धांत तथा हिन्दी समीक्षाशास्त्र )04** **III** -आधुनिक गद्य साहित्य (भाग-2) ( उपन्यास ,एकांकी एवं चरितात्मक कृति )04 IV-जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी ( भाग 2 ) **(छत्तीसगढ़ी काव्य एवं गद्य साहित्य ) 04** **IV वैकल्पिक प्रश्न पत्र - लोक साहित्य भाग -.2 ( छत्तीसगढ़ी : छत्तीसगढ़ी लोक काव्य एवं कथा साहित्य ) 04** | | | | | 20 |

## स्नातक पंचम, षष्ठम,सप्तम,अष्टम सेमेस्टर की सेमेस्टर अंत परीक्षा एवं आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्देश

प्रथम, द्वितीय, **तृतीय** एवं **चतुर्थ** सेमेस्टर की सेमेस्टर अंत परीक्षा और आंतरिक मूल्यांकन के लिए केंद्रीय अध्ययन मंडल द्वारा निर्धारित मूल्यांकन विधि लागू होगी। तदनुसार आंतरिक मूल्यांकन में 30 अंक तथा सेमेस्टर अंत 70 अंक होंगे।

अन्य समस्त स्नातक सेमेस्टर की सेमेस्टर अंत परीक्षा एवं आंतरिक मूल्यांकन निम्नानुसार संपादित किये जाएँगे -

### DSC/GE के लिए:

1. प्रथम आंतरिक परीक्षा (किसी एक इकाई से) 20 अंकों की होगी।
2. असाइनमेंट मूल्यांकन (सत्रीय कार्य) 80 अंकों का होगा। प्रश्न पत्र सभी इकाइयों (Units) से तैयार कर, नवीन परीक्षा पद्धति A, B, C, D पैटर्न के अनुसार लिया जाएगा एवं वेटेज अंक (1/4×80) 20 अंकों में दिए जाएंगे।
3. द्वितीय आंतरिक परीक्षा 20 अंकों की होगी।

### AEC (अंग्रेजी भाषा / हिन्दी भाषा) के लिए :

4. प्रथम आंतरिक परीक्षा (किसी एक इकाई से) 10 अंकों की होगी।
5. असाइनमेंट मूल्यांकन (सत्रीय कार्य) 40 अंकों का होगा। प्रश्न पत्र सभी इकाइयों (Unit) से तैयार कर, नवीन परीक्षा पद्धति A, B, C, D पैटर्न के अनुसार लिया जाएगा एवं वेटेज अंक (1/4×40) 10 अंकों में दिए जाएंगे।
6. द्वितीय आंतरिक परीक्षा 20 अंकों की होगी।

**नोट :**

7. DSC, DSE, GEC एवं AEC (अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा) के सेमेस्टर अंत परीक्षा एवं आंतरिक परीक्षा के प्रश्नपत्र A, B, C एवं D खंडो का होगा।

A अति लघू उत्तरीय 01 प्रश्न अनिवार्य
B अति लघू उत्तरीय 01 प्रश्न अनिवार्य
C लघूत्तरीय 01 प्रश्न अनिवार्य (आंतरिक विकल्प के साथ )
D दीर्घ उत्तरीय 01 प्रश्न अनिवार्य (आंतरिक विकल्प के साथ )

**8. सेमेस्टर अंत परीक्षा एवं सत्रीय कार्य के प्रश्नपत्र का प्रारूप :**

प्रति इकाई अंकों का वितरण निम्नानुसार होगा :

| प्रश्नों का प्रकार | DSC / GEC / DES | AEC (हिंदी) |
|---|---|---|
| Types of Questions | 4 units | 4.units |
| अति लघु उत्तरीय Very short Ans. Type | 02 x 02 =04 | 01 x 02 = 02 |
| लघु उत्तरीय Short Ans. Type | 04 x 1 = 06 (विवरणात्मक प्रश्न होने पर) | 03 X 01 = 03 |
| | 06 x 1 = 06 (व्याख्यात्मक प्रश्न होने पर) | |
| दीर्घ उत्तरीय Long Ans. Type | 10 x 1 = 10 (विवरणात्मक प्रश्न होने पर) | 5 X 01 = 05 |
| प्रति इकाई अंक Marks per unit | 20 Marks | 10 Marks |
| अधिकतम अंक Maximum marks | 20 x 04 = 80 | 10 x 04 = 40 |

**SEC/VAC के लिए :**

9. SEC एवं VAC में आंतरिक परीक्षा नहीं होगी। सिर्फ 25 अंकों का Project होगा। सेमेस्टर अंत परीक्षा में 10 प्रश्न दिये जाएँगे। उनमें से कोई पाँच प्रश्न हल करने होंगे। सेमेस्टर अंत प्रश्नपत्र 25 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा।

10. आंतरिक परीक्षा एवं सत्रीय कार्य में से जिसमें अंक अधिक होंगे, वे अंक वे अंक परीक्षा में जुड़ेंगे।

11. सत्रीय एवं आंतरिक परीक्षा 15 दिसंबर तक सम्पन्न होंगी।

# हिंदी पंचम सेमेस्टर

## सत्र2025-2026

कोर पाठ्यक्रम (DSC)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES)

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (GEC)

कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम (SEC)

**सत्र 2025-2026**

**बी.ए. पंचम सेमेस्टर**

**मूल पाठ्यक्रम (Core Course, DSC), हिंदी**

**कथा साहित्य (कहानी और उपन्यास)**

**पाठ्यक्रम कोड : CCH-501**

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक : 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. हिंदी कथा साहित्य की परंपरा से परिचित कराना।
2. कथा साहित्य को ज़मीनी वास्तविकता के साक्ष्य को समझाना।
3. हिंदी में छत्तीसगढ़ की साहित्यिक सृजनशीलता की उपस्थिति की पहचान कराना।
4. कथा साहित्य के विकास का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

**पाठ्यक्रम विवरण :**

**इकाई 1** : हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास
हिंदी कहानी : उद्भव और विकास

**इकाई 2.** प्रतिनिधि कहानियाँ
ठाकुर का कुआँ : प्रेमचंद
उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी
पाजेब : जैनेन्द्र कुमार

**इकाई 3.** प्रतिनिधि कहानियाँ
संवदिया (फणीश्वरनाथ रेणु), चीफ़ की दावत (भीष्म साहनी),
मैं हार गई (मन्नू भंडारी)

**इकाई 4.** काला जल : शानी

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम -**

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी

1. हिंदी कथा साहित्य की परंपरा से परिचित होंगे
2. कथा साहित्य को ज़मीनी वास्तविकता के साक्ष्य को समझ सकेंगे।
3. हिंदी में छत्तीसगढ़ की साहित्यिक सृजनशीलता की उपस्थिति की पहचान कर पाएँगे।
4. कथा साहित्य के विकास से सम्यक रूप से परिचित हो सकेंगे।

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 |
| कुल अंक | 20 | 20 | 20 | 20 |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 ) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

**सहायक ग्रन्थ-**


1. कुछ कहानियाँ: कुछ विचार : विश्वनाथ त्रिपाठी
2. हिंदी गद्य विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश
4. प्रेमचन्द और उनका युग : डॉ० रामविलास शर्मा
5. उपन्यास का शिल्प : डॉ० गोपाल राय
6. हिंदी उपन्यास की विकास यात्रा : मधुरेश
7. उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा : परमानन्द श्रीवास्तव
8. काला जल : शानी
9. प्रतिनिधि कहानियाँ : प्रेमचंद , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
   प्रतिनिधि कहानियाँ : चंद्रधर शर्मा गुलेरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
   प्रतिनिधि कहानियाँ : जैनेन्द्र कुमार , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
   प्रतिनिधि कहानियाँ : फणीश्वरनाथ रेणु , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
   प्रतिनिधि कहानियाँ : भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
   प्रतिनिधि कहानियाँ : मन्नू भंडारी , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली


**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

## सत्र 2024-2025

## बी.ए. पंचम सेमेस्टर

## इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES), हिंदी

## भारतीय साहित्य

## पाठ्यक्रम कोड: BHN- CCH-502/A)

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक : 80**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. भारतीय साहित्य की वृहत परंपरा से परिचित कराना।
2. भारतीय संस्कृति की विविधता से परिचय कराना।
3. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याओं की पहचान करना।
4. भारतीय संस्कृति और साहित्य की मूलभूत एकता का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

**पाठ्यक्रम विवरण :**

**इकाई 1.** भारत में भौगोलिक विविधता (राजनीतिक और क्षेत्रीय भूगोल) एवं सांस्कृतिक बहुलता (खानपान, रहन-सहन, भाषा-बोली, सामाजिक व्यवहार, परम्परा और रीतिरिवाज की विविधता)

**इकाई 2.** भारत की भाषाई विविधता: भारोपीय परिवार की भाषाएँ, द्रविड़ परिवार की भाषाएँ, आग्नेय परिवार की भाषाएँ, चीनी-तिब्बती परिवार की भाषाएँ

**इकाई 3.** भारतीयता और भारतीय साहित्य की अवधारणा, भारतीय साहित्य का उद्भव, भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता, समानता और विविधता के तत्त्व।

**इकाई 4.** भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ: बहुभाषिकता, भाषा परिवारों की विभिन्नता, बहुसांस्कृतिकता, विभिन्न भाषाओं के साहित्य के समग्र अध्ययन की पद्धति और परम्परा का अभाव, उनके काल-विभाजन की समस्या।

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम -**

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी

1. भारतीय साहित्य की वृहत परंपरा से परिचित होंगे।
2. भारतीय संस्कृति की विविधता से परिचित होंगे।
3. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याओं की पहचान कर सकेंगे।
4. भारतीय संस्कृति और साहित्य की मूलभूत एकता का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 |
| कुल अंक | 20 | 20 | 20 | 20 |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 ) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

**सहायक ग्रन्थ-**


1. आज का भारतीय साहित्य, अनुवाद : प्रभाकर माचवे
2. भारतीय साहित्य : रामछबीला त्रिपाठी
3. भारतीय साहित्यः मूलचंद गौतम
4, भारतीय साहित्य अध्ययन की नई दिशाएँ: प्रदीप श्रीधर
5. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास: डॉ. नगेंद्र
6. भारतीय साहित्य की अवधारणा राजेंद्र मिश्र
7. भारतीय साहित्य की पहचान सं. सियाराम तिवारी
8. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ: रामविलास शर्मा
9. भारतीय साहित्य : सं. नगेंद्र
10. भारतीय साहित्य : भोलाशंकर व्यास


**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

## सत्र 2025-2026

## बी.ए. पंचम सेमेस्टर

## इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES), हिंदी

## राजभाषा हिंदी

## पाठ्यक्रम कोड : BHN-CCH-502 (B)

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 100

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

* इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को राजभाषा की अवधारणा से परिचित कराना।
* राष्ट्रभाषा की अवधारणा से परिचित कराना।
* हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम विवरण :-**

**इकाई 1**

हिंदी : संकल्पना और अनुप्रयोग
हिंदी भाषा के विविध रूप- राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, मानक भाषा
साहित्यिक भाषा, संचार की भाषा

**इकाई 2**

राजभाषा हिंदी
राजभाषा: तात्पर्य और स्वरूप
राजभाषा हिंदी संबंधी संवैधानिक प्रावधान
राजभाषा आयोग तथा संसदीय समिति

**इकाई 3.**

राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी
स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रभाषा हिंदी की संकल्पना
संविधान की आठवीं अनुसूची और हिंदी
राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर

**इकाई 4.**

हिंदी का अनुप्रयोग
राजभाषा संबंधी विशिष्ट शब्दावली
राजभाषा की कार्यालयी अभिव्यक्तियाँ

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम**

* विद्यार्थी राजभाषा की अवधारणा से परिचित होंगे।
* राष्ट्रभाषा की अवधारणा से परिचित होंगे।
* हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति से अवगत हो सकेंगे।

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 |
| कुल अंक | 20 | 20 | 20 | 20 |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 ) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

सहायक ग्रंथों की सूचीः-


1. राजभाषा हिंदी- डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2. राष्ट्रभाषा हिंदी समस्याएँ एवं समाधान- डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
3. हिंदी: राजभाषा, राष्ट्रभाषा, जनभाषा- शंकर दयाल सिंह, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।
4. राजभाषा हिंदी विविध आयाम- डॉ. राजवीर सिंह, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली।
5. परस्पर भाषा-साहित्य-आंदोलन- डॉ. राजीव रंजन गिरि, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।


## अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर

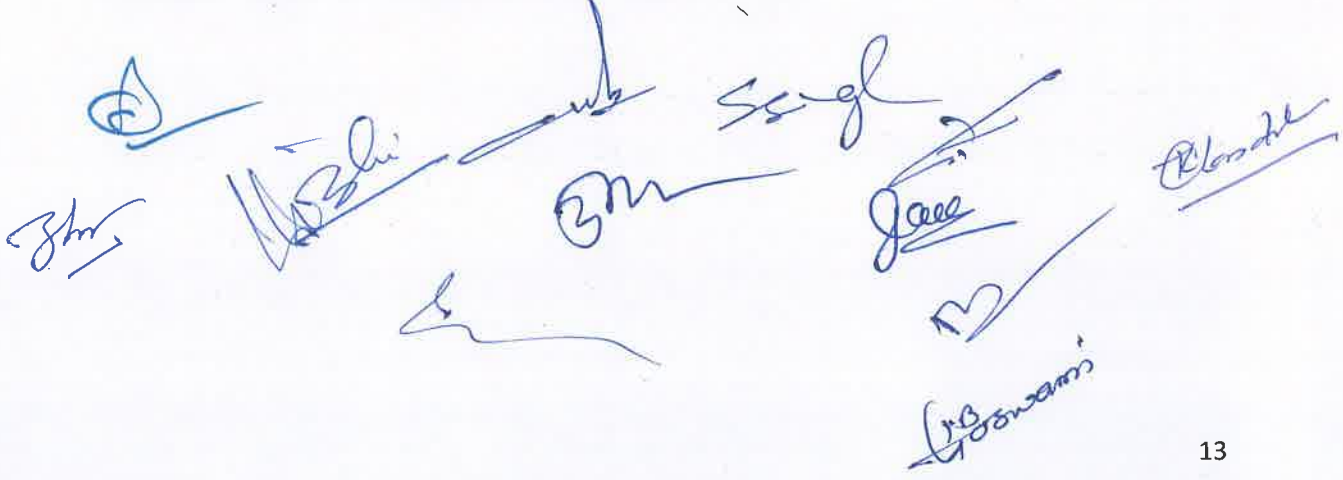

**सत्र 2025-2026**

**बी.ए. पंचम सेमेस्टर**

**जेनेरिक पाठ्यक्रम (GEC), हिंदी**

**कथा साहित्य (कहानी और उपन्यास)**

**पाठ्यक्रम कोड : CCH-503**

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक : 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. हिंदी कथा साहित्य की परंपरा से परिचित कराना।
2. कथा साहित्य को ज़मीनी वास्तविकता के साक्ष्य को समझाना।
3. हिंदी में छत्तीसगढ़ की साहित्यिक सृजनशीलता की उपस्थिति की पहचान कराना।
4. कथा साहित्य के विकास का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

**पाठ्यक्रम विवरण :**

**इकाई 1.**

हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास

हिंदी कहानी : उद्भव और विकास

**इकाई 2.**

प्रतिनिधि कहानियाँ

ठाकुर का कुआँ : प्रेमचंद

उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी

पाजेब : जैनेन्द्र कुमार

**इकाई 3.**

प्रतिनिधि कहानियाँ

संवदिया : फणीश्वरनाथ रेणु

चीफ़ की दावत : भीष्म साहनी

मैं हार गई : मन्नू भंडारी

**इकाई 4.**

काला जल : शानी

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम -**

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी

1. हिंदी कथा साहित्य की परंपरा से परिचित होंगे।
2. कथा साहित्य को ज़मीनी वास्तविकता के साक्ष्य को समझ सकेंगे।
3. हिंदी में छत्तीसगढ़ की साहित्यिक सृजनशीलता की उपस्थिति की पहचान कर पाएँगे।
4. कथा साहित्य के विकास से सम्यक रूप से परिचित हो सकेंगे।

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X1 =06 | 6 X1 =06 | 6 X1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X1 =10 | 10 X1 =10 | 10 X1 =10 | 10 X1 =10 |
| कुल अंक | 20 | 20 | 20 | 20 |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे।प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 ) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

**सहायक ग्रन्थ-**


1. कुछ कहानियाँ: कुछ विचार : विश्वनाथ त्रिपाठी
2. हिंदी गद्य विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश
4. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ० रामविलास शर्मा
5. उपन्यास का शिल्प : डॉ० गोपाल राय
6. हिंदी उपन्यास की विकास यात्रा : मधुरेश
7. उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा : परमानन्द श्रीवास्तव
8. काला जल : शानी
9. प्रतिनिधि कहानियाँ : प्रेमचंद , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. प्रतिनिधि कहानियाँ : चंद्रधर शर्मा गुलेरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. प्रतिनिधि कहानियाँ : जैनेन्द्र कुमार , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. प्रतिनिधि कहानियाँ : फणीश्वरनाथ रेणु , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. प्रतिनिधि कहानियाँ : भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. प्रतिनिधि कहानियाँ : मन्नू भंडारी , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली


अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर

**सत्र 2025-26**

**बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम पंचम सेमेस्टर**

**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्स-SEC), हिंदी**

**कार्यालयीन भाषा-अनुप्रयोग**

**पाठ्यक्रम कोड: SECH- 504**

क्रेडिट: 02

कुल अंक : 50

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को -

1. कार्यालयीन भाषा के रूप में हिंदी के प्रकार्यात्मक पक्ष की सम्यक जानकारी से अवगत कराना।
2. हिंदी में कार्यालयीन कामकाज की पध्दति और प्रक्रिया से अवगत कराना।
3. हिंदी में पत्राचार और टिप्पण के व्यावहारिक पक्षों की जानकारी देना ज्ञान कराना।
4. बैंकिंग, कार्यालयीन, दूरसंचार, व्यवसाय और कानून की शब्दावली का ज्ञान कराना।

**पाठ्यक्रम विवरण -**

**इकाई -1**

कार्यालयीन भाषा प्रारूपण (पत्राचार, कार्यालय ज्ञापन , कार्यालय आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, अर्धशासकीय पत्र आवेदन पत्र, प्रतिवेदन, अनुस्मारक पृष्ठांकन, शासकीय संकल्प)।

**इकाई-2**

टिप्पण -प्रक्रिया एवं स्वरूप, व्यावहारिक अनुप्रयोग।संक्षेपण-प्रक्रिया एवं स्वरूप -कार्यालयीन अनुप्रयोग। पारिभाषिक शब्दावली - स्वरूप, प्रक्रिया एवं महत्व।

**इकाई- 3**

अनुवाद का स्वरूप -प्रक्रिया, प्रविधि एवं महत्व। कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद।

**इकाई- 04**

अनुवाद का प्रकार्यात्मक महत्व जनसंचार विज्ञान, तकनीकी, बैंकिंग, वाणिज्य, विधि आदि क्षेत्रों में अनुवाद की भूमिका।

**प्रायोगिक ज्ञान /प्रोजेक्ट :**

विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के आधार पर प्रारूपण, टिप्पण एवं अनुवाद से संबंधित प्रोजेक्ट कार्य कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना होगा।

1. कार्यालयीन पत्राचार, टिप्पण एवं अनुवाद।
2. अनुवाद दक्षता का व्यावहारिक परीक्षण ।

**पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम :**

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों को-

1. राजभाषा के रूप में हिंदी के प्रकार्यात्मक पक्ष की सम्यक जानकारी प्राप्त होगी।
2. हिंदी में कार्यालयीन कामकाज की पद्धति और प्रक्रिया का समुचित ज्ञान होगा।
3. हिंदी में पत्राचार और टिप्पण के व्यावहारिक पक्षों की जानकारी प्राप्त होगी।
4. बैंकिंग, कार्यालयीन, दूरसंचार, व्यवसाय और कानून की शब्दावली का ज्ञान होगा।
5. कार्यालयीन कामकाज में अनुवाद के प्रयोग का सामान्य ज्ञान हो सकेगा।

**अंक प्रणाली**

**SEC/VAC के लिए :**

अंकों का वितरण निम्नानुसार होगा -

1. पाठ्यक्रम में कुल 50 अंक होंगे।
1. SEC एवं VAC में आंतरिक परीक्षा नहीं होगी। सिर्फ Project 25 अंको का होगा। सेमेस्टर अंत परीक्षा में 10 प्रश्न दिये जाएँगे। उनमें से कोई पाँच प्रश्न हल करने होंगे। सेमेस्टर अंत प्रश्नपत्र 25 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा।

सन्दर्भ पुस्तकें :


| | | |
|---|---|---|
| 1. कार्यालयीन हिंदी की प्रकृति | - | चंद्रपाल शर्मा |
| 2. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग | - | गोपीनाथ श्रीवास्तव |
| 3. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना | - | डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद) |
| 4. प्रयोजनमूलक हिंदी | - | विनोद गोदरे |
| 5. प्रयोजनमूलक हिंदी | - | माधव सोनटक्के |
| 6.प्रयोजनमूलक हिंदी | - | डॉ. संजीव जैन |


## अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर

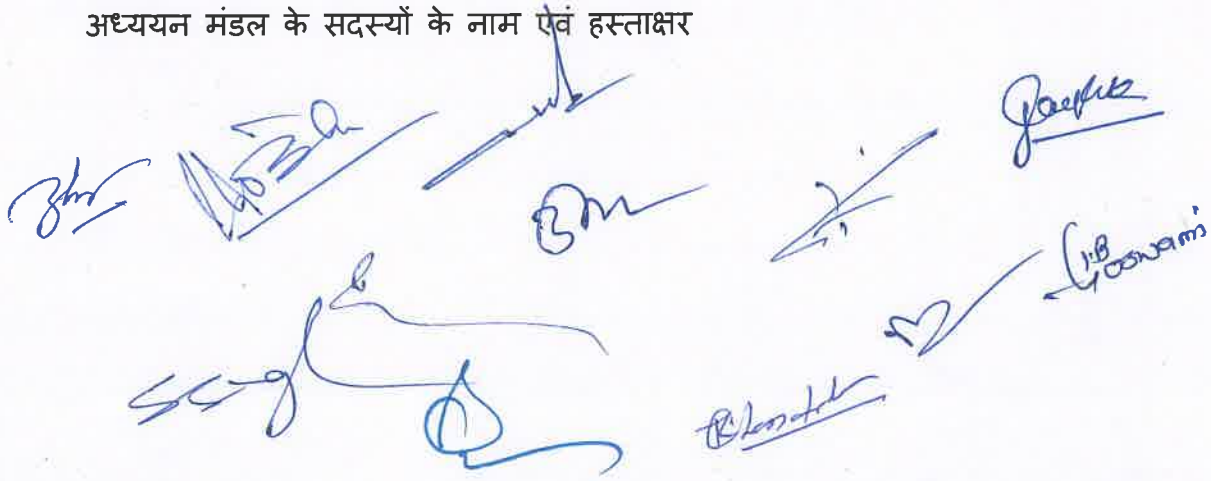

# हिंदी षष्ठम सेमेस्टर

## सत्र 2025-2026

कोर पाठ्यक्रम (DSC)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES)

जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (GEC)

कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम (SEC)

## सत्र 2025-2026

## बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर

## मूल पाठ्यक्रम (Core Course, DSC), हिंदी

## कथेतर गद्य साहित्य

## पाठ्यक्रम कोड : BHN- CCH-601

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 100

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. हिंदी कथेतर गद्य साहित्य की परंपरा से परिचित कराना।
2. कथेतर साहित्य के सृजनात्मक वैभव से परिचित कराना। ।
3. हिंदी में कथेतर साहित्य की उपादेयता से पहचान कराना।
4. कथेतर साहित्य के परिदृश्य का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

**पाठ्यक्रम विवरण :**

**इकाई 1.** कथेतर साहित्य की विविध विधाएँ : स्वरूप और इतिहास
निबंध, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-वृत्तांत, रिपोर्ताज, पत्र-साहित्य का परिचय।

**इकाई 2.** निबंध साहित्य : क्या लिखूँ : पदुमलाल पुन्नालाल बख़्शी
आज भी खरे हैं तालाब : अनुपम मिश्र
जीवनी-अंश : आवारा मसीहा : विष्णु प्रभाकर (शरदचन्द्र की जीवनी) दिशाहारा-पाँच एवं छह

**इकाई 3.** संस्मरण : पूज्य निराला जी : शिवपूजन सहाय
मरना कोई हार नहीं होती : हरिशंकर परसाई
आत्मकथा : क्या भूलूँ क्या याद करूँ (हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा) : श्यामा की मृत्यु का प्रसंग

**इकाई 4.** रेखाचित्र : नीलकंठ : महादेवी वर्मा
यात्रा-वृत्तांत : दाँते के नगर में : रामवृक्ष बेनीपुरी
रिपोर्ताज : इस जल प्रलय में : फणीश्वरनाथ रेणु
पत्र-साहित्य : मित्र संवाद : केदारनाथ अग्रवाल का पत्र रामविलास शर्मा के नाम (दिनांक 5.12. 1943 )

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X1 =06 | 6 X1 =06 | 6 X1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X1 =10 | 10 X1 =10 | 10 X1 =10 | 10 X1 =10 |
| कुल अंक | 20 | 20 | 20 | 20 |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 ) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंकं के प्रश्न होंगे।

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम -**

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी

1. हिंदी कथेतर गद्य साहित्य की परंपरा से परिचित होंगे।
2. कथेतर साहित्य के सृजनात्मक वैभव से परिचित होंगे। ।
3. हिंदी में कथेतर साहित्य की उपादेयता की पहचान कर सकेंगे।
4. कथेतर साहित्य के परिदृश्य का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

**सहायक ग्रंथ :**

1. गद्य की नई विधाओं का विकास, माजदा असद
2. गद्य की पहचान, अरुण प्रकाश
3. डॉ. भदन्त आनंद कौसल्यायन का जीवन दर्शन, भदन्त सावंगी मेधकर
4. हिंदी का गद्य विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. हिंदी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी
6. हिंदी गद्य रूप सैद्धांतिक विवेचन, निर्मला देवी श्रीवास्तव
7. हिंदी निबंध उद्भव और विकास, हरिचरण शर्मा
8. हिंदी का आधुनिक यात्रा साहित्य, प्रतापपाल शर्मा

**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

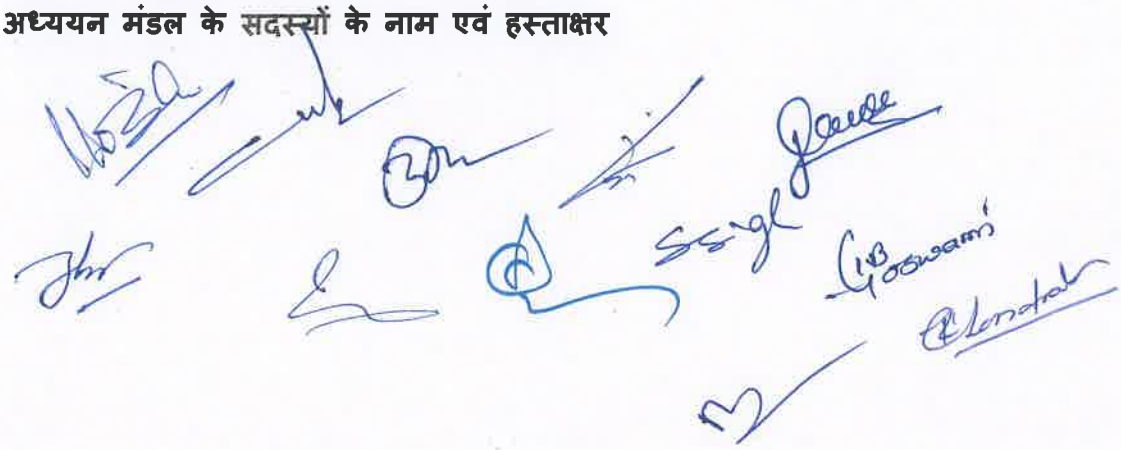

## सत्र 2025-2026

## बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर

## इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES), हिंदी

## हिन्दी लोकनाट्य परम्परा एवं छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य परम्परा

## पाठ्यक्रम कोड : BHN-CCH-602 ( A)

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक : 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. लोक के स्वरूप से अवगत कराना।
2. लोकनाट्य और लोक रंगमंच के स्वरूप और विधि से परिचित कराना।
3. अभिनय की विशिष्टताओं का ज्ञान प्रदान करना।
4. हिंदी भाषा और उसकी उपभाषाओ (बोलियों) के क्षेत्र विस्तार और विविध परंपराओं से परिचित कराना।
5. बोलियों के सामर्थ्य से अवगत कराना।
6. हिंदी रंगमंच को समर्थ और सार्थक बनाने में सक्षम बनाना।

**पाठ्यक्रम विवरण :**

**इकाई 1.** लोक और उसकी संस्कृति

कृषि संस्कृति और ग्राम्य जीवन: जीविका, खेती और उसकी पारंपरिक तकनीक, पशुधन और उसका महत्त्व।

प्रकृति और संस्कृति : कृषिकर्म, श्रम और उत्सव, तीज-त्यौहार और पर्व, प्रकृति संरक्षण और ग्राम्य जीवन की परम्पराएँ।

लोक की सृजनात्मक अभिव्यक्ति: लोकवार्ता (लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकगाथा)

**इकाई 2.** लोक रंगमंच और लोकनाट्य प्रमुख लोकनाट्य रूप (नाचा, रहस, भतरा नाट, तमाशा, भवई, नौटंकी, यश्वगान, माच, जात्रा) परिचयात्मक विवरण।

**इकाई3.** छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा रंगमंच का स्वरूप, नट (अभिनेता, परी), अभिनय शैली, परम्परा (खड़े साज, बैठे साज), संगीत पक्ष (गायक, वादक, वाद्ययंत्र)।

प्रमुख कलाकार (दाऊ मंदराजी, भुलवाराम, मदन निषाद, लालूराम, फिदाबाई)। प्रमुख नाचा दल (रवेली नाचा पार्टी, रिंगनी नाचा पार्टी, टेड़ेसरा नाचा पार्टी, मटेवा नाचा पार्टी, अछोटा नाचा पार्टी)।

**इकाई 4.** नाचा का संस्कारीकरण: चंदैनी गोंदा, सोनहा विहान, कारी। नाचा का संस्कारीकरण : शहरी रंगमंच और अंतर्राष्ट्रीय पहुँच (हबीब तनवीर और नया थिएटर)।

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम -**

इस पाठ्यक्रम अध्ययन करने के बाद विद्यार्थियों को

1. लोक के स्वरूप का ज्ञान होगा।
2. लोकनाट्य और लोक रंगमंच के स्वरूप और विधि से परिचय होगा।
3. अभिनय की विशिष्टताओं का ज्ञान हो सकेगा।
4. हिंदी भाषा और उसकी उपभाषाओं (बोलियों) के क्षेत्र विस्तार और विविध परंपराओं से परिचय हो सकेगा।
5. बोलियों के सामर्थ्य की जानकारी होगी।
6. हिंदी रंगमंच को समर्थ और सार्थक बनाने में प्रेरणा प्राप्त होगी।

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X1 =06 | 6 X1 =06 | 6 X1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X1 =10 | 10 X1 =10 | 10 X1 =10 | 10 X1 =10 |
| कुल अंक | 20 | 20 | 20 | 20 |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघुत्तरी प्रश्न (6) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

**सहायक ग्रंथ :**


1. परंपराशील नाट्य, जगदीश चंद्र माधुर, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली
2. लोकधर्मी नाट्य परंपरा, श्याम परमार
3. संगीत एक लोकनाट्य परंपरा, डॉ. रामनारायण अग्रवाल
4. संगीत के विविध आयाम, डॉ. वीरेंद्र कुमार चंद्रराखी
5. लोक नाट्य परंपरा और प्रवृत्तियाँ, डॉ. महेंद्र भानावत
6. लोकः परंपरा, पहचान एवं प्रवाह, श्याम सुंदर दुबे
7. नाट्य काव्यालोचन के सिद्धांत, सिद्धनाथ कुमार
8. नाट्यशास्त्र और रंगमंच, दीनानाथ साहनी
9. हिंदी नाटक, उद्भव व विकास, दशरथ ओझा
10. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह, दिनकर
11. भारत के लोक नाट्य, शिवकुमार माधुर
12. लोक साहित्य की भूमिका, कृष्णदेव उपाध्याय
13. लोक संस्कृति, वसंत निरगुणे
14. लोक साहित्य की भूमिका, रामनरेश त्रिपाठी
15. लोक साहित्य का अवगाहन, त्रिलोचन पांडेय
16. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्यों में शास्त्रीय तत्व डॉ. शैलजा चन्द्राकर, श्री लब्धिसूरि फाउण्डेशन, दुग्गड़ सदन, दुर्ग
17. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग
18. गम्मत : संपादक जय प्रकाश, मंदराजी महोत्सव, समिति, रवेली (राजनांदगांव)


**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

**सत्र 2025-2026**

**बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर**

**इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES), हिंदी**

**राष्ट्रीय चेतना और हिन्दी कविता**

**पाठ्यक्रम कोड : BHN-CCH-602 ( B)**

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक : 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

1. छात्रों को राष्ट्रीय चेतना के स्वरूप से अवगत कराना।
2. हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना के विकसित होने की पृष्ठभूमि से परिचित कराना।
3. हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों की कविता में निहित राष्ट्रीय चेतना से अवगत कराना

**पाठ्यक्रम विवरण -**

**इकाई 01** :- हिन्दी कविताओं में राष्ट्रीय चेतना के विविध आयाम

1. राष्ट्रीय चेतना : परिभाषा और स्वरूप
2. आधुनिक हिन्दी कविताओं में राष्ट्रीय चेतना का विकास
3. हिन्दी कविताओं में राष्ट्रीय चेतना के विकसित होने के कारण / पृष्ठभूमि
4. हिन्दी कविताओं में राष्ट्रीय चेतना का वर्तमान स्वरूप

**इकाई 02** :- भारतेंदुयुगीन कविता में राष्ट्रीय चेतना

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र- मातृभाषा प्रेम पर दोहे
2. राधाकृष्ण दास- देश दशा
3. बद्रीनारायण चौधरी - आनंद अरूणोदय

**इकाई 03** :- द्विवेदीयुगीन कविता में राष्ट्रीय चेतना

1. मैथिलीशरण गुप्त - भारत भारती (अतीत खण्ड)
2. माखन लाल चतुर्वेदी - पुष्प की अभिलाषा
3. सुभद्रा कुमारी चौहान- वीरों का कैसा हो वसंत / झांसी वाली रानी

**इकाई 04** :- छायावादयुगीन कविता में राष्ट्रीय चेतना

1. जयशंकर प्रसाद- अरुण यह मधुमय देश हमारा
2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- जागो फिर एक बार
3. रामधारी सिंह दिनकर - बापू

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम -**

1. छात्र राष्ट्रीय चेतना के स्वरूप से अवगत हो सकेंगे।
2. हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना के विकसित होने की पृष्ठभूमि को समझ सकेंगे।
3. हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों की कविता में निहित राष्ट्रीय चेतना से सम्यक रूप से परिचित हो सकेंगे

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X1 =06 | 6 X1 =06 | 6 X1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X1 =10 | 10 X1 =10 | 10 X1 =10 | 10 X1 =10 |
| कुल अंक | 20 | 20 | 20 | 20 |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे।प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघुत्तरी प्रश्न (6 ) अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

**सहायक ग्रंथ :**


1. साठोत्तरी हिंदी कविता में राष्ट्रीय-सामाजिक चेतना- डॉ. नरेश कुमार वर्मा
2. हिंदी कविता में राष्ट्रीय भावना -विद्यानाथ गुप्त
3. हिंदी साहित्य युग और प्रवृतियां- डॉ.शिवकुमार शर्मा
4. आधुनिक हिंदी कविता में राष्ट्रीय चेतना -डॉ. माधुरी पाण्डेय गर्ग
5. भारतीय साहित्य में राष्ट्रीय चेतना- प्रो.रचना शर्मा


## अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर

**सत्र 2025-2026**

**बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर**

**जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Generic Elective Course, GEC), हिंदी**

**कथेतर गद्य साहित्य**

**पाठ्यक्रम कोड : BHN- CCH-603**

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक : 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. हिंदी कथेतर गद्य साहित्य की परंपरा से परिचित कराना।
2. कथेतर साहित्य के सृजनात्मक वैभव से परिचित कराना। ।
3. हिंदी में कथेतर सहित की उपादेयता की पहचान करना।
4. कथेतर साहित्य के परिदृश्य का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

**पाठ्यक्रम विवरण :**

**इकाई 1. कथेतर साहित्य की विविध विधाएँ : स्वरूप और इतिहास**
**निबंध, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-वृत्तांत, रिपोर्ताज, पत्र-साहित्य का परिचय।**

**इकाई 2. निबंध साहित्य : क्या लिखूँ : पदुमलाल पुन्नालाल बख़्शी**
**आज भी खरे हैं तालाब : अनुपम मिश्र**
**जीवनी-अंश : आवारा मसीहा : विष्णु प्रभाकर (शरच्चन्द्र की जीवनी) दिशाहारा-पाँच एवं छह**

**इकाई 3. संस्मरण : पूज्य निराला जी : शिवपूजन सहाय**
**मरना कोई हार नहीं होती : हरिशंकर परसाई**
**आत्मकथा : क्या भूलूँ क्या याद करूँ (हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा) श्यामा की मृत्यु का प्रसंग**

**इकाई 4. रेखाचित्र : नीलकंठ : महादेवी वर्मा**
**यात्रा-वृत्तांत : दाँते के नगर में : रामवृक्ष बेनीपुरी**
**रिपोर्ताज : इस जल प्रलय में : फणीश्वर नाथ रेणु**
**पत्र-साहित्य : मित्र संवाद : केदारनाथ अग्रवाल का पत्र रामविलास शर्मा के नाम ( 5.12. 1943 )**

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2 X 1= 02 | 2X 1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 |
| कुल अंक | 20 | 20 | 20 | 20 |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम -**

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी

1. हिंदी कथेतर गद्य साहित्य की परंपरा से परिचित होंगे।
2. कथेतर साहित्य के सृजनात्मक वैभव से परिचित होंगे। ।
3. हिंदी में कथेतर सहित की उपादेयता की पहचान कर सकेंगे।
4. कथेतर साहित्य के परिदृश्य का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

**सहायक ग्रंथ**

1. गद्य की नई विधाओं का विकास, माजदा असद
2. गद्य की पहचान, अरुण प्रकाश
3. हिंदी का आधुनिक यात्रा साहित्य, प्रताप पाल शर्मा
4. हिंदी का गद्य विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. हिंदी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी
6. हिंदी गद्य रूप सैद्धांतिक विवेचन, निर्मला देवी श्रीवास्तव

**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

**सत्र 2025-26**

**बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम षष्ठम सेमेस्टर**

**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्स-SEC), हिंदी**

**विज्ञापन और समाचार लेखन**

**पाठ्यक्रम कोड: SECH-604**

**पूर्णांक : 50**
**केडिट : 02**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य-**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है विद्यार्थियों को-

1. विज्ञापन- लेखन की कला से अवगत कराना।
2. मीडिया उद्योग के सम्बन्ध में जानकारी देना।
3. समाचार लेखन- कला का ज्ञान कराना।
4. मीडिया के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से अवगत कराना।
5. साक्षात्कारकर्ता के रूप में विद्यार्थियों को तैयार करना।

**पाठ्यक्रम विवरण-**

**इकाई - 1** विज्ञापन की परिभाषा और स्वरूप, विज्ञापन के उद्देश्य, विज्ञापन माध्यम।

**इकाई - 2** विज्ञापन- लेखन : विज्ञापन कॉपी लेखन, विज्ञापन कॉपी के अंग, कॉपी लेखक के गुण

**इकाई - 3** समाचार की परिभाषा और स्वरूप, समाचार के विभिन्न स्रोत, समाचार संकलन, समाचार लेखन

**इकाई - 4** समाचार- पत्र का प्रबंधन

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम**

इस पाठ्यक्रम के पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थियों में

1. विज्ञापन लेखन के प्रति उनकी अभिरुचि विकसित होगी।
2. मीडिया उद्योग में वे अच्छे कॉपी लेखक बन सकेंगे।
3. समाचार लेखन में अभिरुचि विकसित होगी।
4. रोजगार की दृष्टि से मीडिया के क्षेत्र में संभावनाएं बढ़ेंगी।
5. छात्र मीडिया के लिए महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साक्षात्कार लेने में सक्षम हो सकेंगे।

**अंक प्रणाली**

**SEC/VAC के लिए :**

अंकों का वितरण निम्नानुसार होगा -

1. पाठ्यक्रम में कुल 50 अंक होंगे।

1. SEC एवं VAC में आंतरिक परीक्षा नहीं होगी। सिर्फ Project 25 अंको का होगा। सेमेस्टर अंत परीक्षा में 10 प्रश्न दिये जाएँगे। उनमें से कोई पाँच प्रश्न हल करने होंगे। सेमेस्टर अंत प्रश्नपत्र 25 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा।

संदर्भ पुस्तकें :


1. जनसंपर्क : प्रचार एवं विज्ञापन - विजय कुलश्रेष्ठ
2. हिंदी पत्रकारिता - डॉ. कृष्णबिहारी)


**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

# हिंदी सप्तम सेमेस्टर

## सत्र 2025-2026

कोर पाठ्यक्रम (DSC)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES- I)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES- II)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES- III)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES- IV)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (वैकल्पिक) (DES- IV)

**सत्र 2025-2026**

**बी.ए. सप्तम सेमेस्टर**

**मूल पाठ्यक्रम (Core Course, DSC), हिंदी**

**हिन्दी साहित्य का इतिहास**

**पाठ्यक्रम कोड :**

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक : 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है. विद्यार्थियों को -

1. इतिहास-दर्शन और साहित्य के इतिहास के बीच के संबंधों से अवगत कराना।
2. हिन्दी भाषी समाज और साहित्य के ऐतिहासिक संबंधों की पारस्परिक निर्भरता से परिचित कराना।
3. भक्ति आंदोलन के सामाजिक परिप्रेक्ष्य और राष्ट्रीय सामासिक संस्कृति के विकास में उसके प्रभाव को समझने की दृष्टि विकसित होगी।
4. भारतीय संस्कृति के बहुलतावादी और समन्वयवादी स्वरूप पर विश्वास पैदा होगा।

**पाठ्यक्रम विवरण**

**इकाई 1** आदिकाल इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास । हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्यायें। हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन और नामकरण, नामकरण की समस्यायें ।

**इकाई 2** हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, वीरगाथा काल तथा रासो काव्य, सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, साहित्य प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ, प्रतिनिधि रचनाकार ।

**इकाई 3** पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) - सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन, भक्ति काल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, विभिन्न काव्य धाराएँ, संतकाव्य-सामान्य प्रवृत्तियाँ ।

**इकाई 4** सूफी प्रेमाख्यानक काव्य प्रवृत्तियों, प्रेमाख्यानक परम्परा और हिन्दी में उसका विकास । रामभक्ति काव्य, कृष्णभक्ति काव्य सामान्य प्रवृत्तियों और दार्शनिक विचार धाराएँ, उपलब्धियों ।

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम**

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास के बीच सम्बंधों का ज्ञान होगा।
2. हिन्दी-साहित्य के ऐतिहासिक विकास और हिंदी समाज के विकास के बीच पारस्परिक सम्बंध की समझ निर्मित होगी|
3. भक्ति आंदोलन के सामाजिक परिप्रेक्ष्य और राष्ट्रीय सामासिक संस्कृति के विकास में उसके प्रभाव को समझने की प्रक्रिया और दृष्टिकोण से अवगत होगें।
4. भारतीय संस्कृति के बहुलतावादी और उसके समन्वयवयात्मक स्वरूप पर विश्वास पैदा होगा।

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2 X 1= 02 | 2X 1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 |
| **कुल अंक** | **20** | **20** | **20** | **20** |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

**संदर्भ ग्रंथ :-**


1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - संशोधित आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2 हिन्दी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास - (नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली)डॉ. नगेन्द्र
4. आदिकालीन हिन्दी साहित्य - (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी) डॉ. शम्भूनाथ पाण्डे
5. आदिकालीन हिन्दी साहित्य सांस्कृतिक पीठिका (हिन्दी ग्रंथ अकादमी)डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी


**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

**सत्र 2025-2026**

**बी.ए. सप्तम सेमेस्टर**

**इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES,I), हिंदी**

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग-1

(रासो काव्य एवं निर्गुण भक्ति काव्य)

**पाठ्यक्रम कोड :**

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक : 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य**

**इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है,** विद्यार्थियों **में -**

1. मध्यकालीन सामंती समाज के भीतर विकसित काव्य की सामान्य जानकारी और समझ विकसित करना।
2. भक्ति आंदोलन के दौरान विशिष्ट प्रतिरोध की संस्कृति के पति जागरुकता उत्पन्न करना।
3. मध्यकालीन संस्कृति के अध्ययन के प्रति अभिवि विकसित करना।
4. प्राचीन भारतीय समाज और संस्कृति के संवेदनात्मक पक्ष की सामान्य समझ विकसित करना।

**पाठ्यक्रम विवरण -**

**इकाई 1.** चंदबरदाई: पृथ्वीराज रासो (संपादक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह) रेवातट समय।

**इकाई 2** विद्यापति विद्यापत्ति पदावली रामवृक्ष बेनीपुरी (प्रारंभिक 25 पद)

**इकाई 3.** कबीर ग्रंथावली संपादक डॉ. श्यामसुंदर दास (100 साखियाँ तथा प्रारंभिक 25 पद) साखियाँ गुरूदेव कौ अंग 1 से 20, सुमिरण की अंग 1 से 10, विरह की अंग 1 से 10. म्यान विरह कौ अंग 1 से 10. परचा की अंग 1 से 10, रस कौ अंग 1 से 5, निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग 1 से 10, चितावणी की अंग 1 से 10, माया की अंग 1 से 5, काल की अंग 1 से 10।

**इकाई 4.** मलिक मोहम्मद जायसी पद्मावत (संपादक आ. रामचन्द्र शुक्ल)। (नागमती विरह खण्ड एवं मानसरोदक खण्ड) रासो काव्य परंपरा, निर्गुण काव्य की ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी शाखा: अवधारणा एवं व्यवहार

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम**

1. मध्यकालीन सामंती समाज के भीतर विकसित काव्यबोध की जानकारी और समझ विकसित होगी।
2. भक्ति आंदोलन के प्रतिवादी स्वभाव का ज्ञान हो सकेगा।
3. मध्यकालीन साहित्य संस्कृति के प्रति अभिरूचि जागृत होगी।
4. प्राचीन काल के हिंदी साहित्य की सामाजिक संवेदना का ज्ञान होगा।

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2 X 1= 02 | 2X 1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 |
| कुल अंक | 20 | 20 | 20 | 20 |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ ग्रंथ :-


1. चंदबरदाई डॉ. विपिन बिहारी द्विवेदी
2. कबीर की विचार धारा डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत
3. प्रमुख प्राचीन कवि डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. कबीर साहित्य की परख परशुराम चतुर्वेदी
5. जायसी की विशिष्ट शब्दावली डॉ. इंदिरा कुमारी सिंह का विश्लेषणात्मक अध्ययन
6. मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य डॉ. शिवसहाय पाठक
7. अमीर खुसरों और उनका साहित्य डॉ. भोलानाथ तिवारी
8. जायसी :- विजय देवनारायण साही


**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

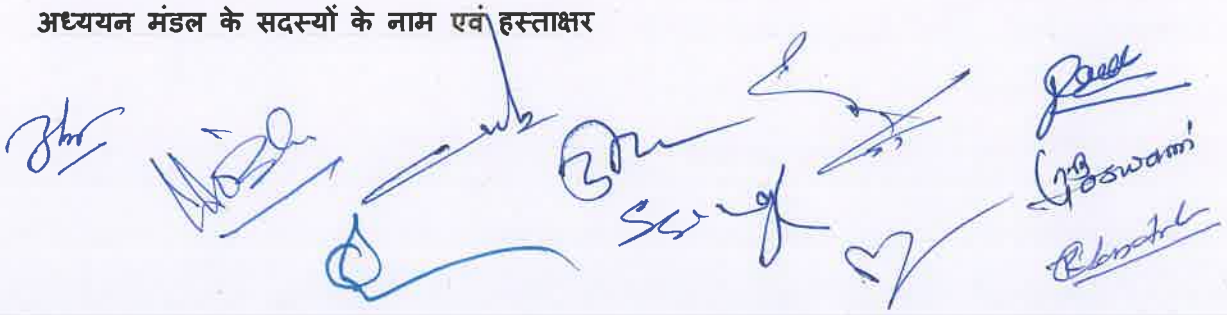

**सत्र 2025-2026**

**बी.ए. सप्तम सेमेस्टर**

**इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES,II), हिंदी**

**काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन (भाग-1) (साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचना शास्त्र)**

(रासो काव्य एवं निर्गुण भक्ति काव्य)

**पाठ्यक्रम कोड :**

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक :- 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

**इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है,** विद्यार्थियों **को-**

1. भारतीय तथा पाश्चात्य साहित्य के शास्त्रीय मानदंडो से परिचित कराना।
2. साहित्य के आशंसन तथा मूल्यांकन की प्रक्रिया और पद्धतियों से अवगत कराना।
3. साहित्य की आलोचना की शास्त्रीय तथा उन्मुक्त प्रणालियों के प्रति अभिरुचि तथा इस विषय में जागरूकता उत्पन्न करना।
4. काव्यशास्त्रीय पद्धतियों के आधार पर समकालीन साहित्य की आलोचना की समझ और दृष्टि से अवगत कराना।

**पाठ्यक्रम विवरण**

**इकाई 1.** भारतीय काव्यशास्त्र - काव्य-लक्षण, काव्य हेतु, काव्य-प्रयोजन और काव्य के प्रकार। रस-सिद्धांत रस का स्वरूप, रस-निष्पत्ति और साधारणीकरण,रस के अंग।

**इकाई 2.** अलंकार सिद्धांत, रीति सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, ध्वनि-सिद्धांत और औचित्य सिद्धांत।

**इकाई 3.पाश्चात्य काव्य शास्त्र -** प्लेटो: काव्य-सिद्धांत, अरस्तू अनुकरण-सिद्धांत, विरेचन-सिद्धांत, त्रासदी-विवेचन, लॉजाइनस उदात्त की अवधारणा।

**इकाई 4** मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप एवं प्रकार्य ।
कॉलरिज : कल्पना-सिद्धांत और ललित कल्पना ।
टी.एस.इलियट : कला की निवैयक्तिकता, परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा।
क्रिस्टोफर कॉडवेल : कविता की उत्पत्ति।

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम**

1. भारतीय तथा पाश्चात्य साहित्य के शास्त्रीय मानदण्डों से परिचय हो सकेगा।
2. साहित्य के आशंसन एवं मूल्यांकन की दृष्टि विकसति हो सकेगी।
3. आलोचना की शास्त्रीय तथा उन्मुक्त पध्दति का ज्ञान हो सकेगा।
4. काव्यशास्त्रीय पद्धति के आधार पर वर्तमान समय के साहित्य की आलोचना का पद्धतिगत ज्ञान हो सकेगा।

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2 X 1= 02 | 2X 1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 |
| **कुल अंक** | **20** | **20** | **20** | **20** |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ ग्रंथ :-


भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत : डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त

2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र, इतिहास, सिद्धांत एवं वाद : डॉ. भगीरथ मिश्र

3 भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

4. मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र : डॉ. शिवकुमार मिश्र

5. भारतीय काव्यशात्र की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र

6. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन : डॉ. निर्मला जैन

7. भारतीय और पाश्चात्य साहित्य-चिंतन : मूलजी भाई

8. आधुनिकता, साहित्य के संदर्भ में : डॉ. गंगा प्रसाद विमल

9. विभ्रम और यथार्थ : क्रिस्टोफर कॉडवेल


**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

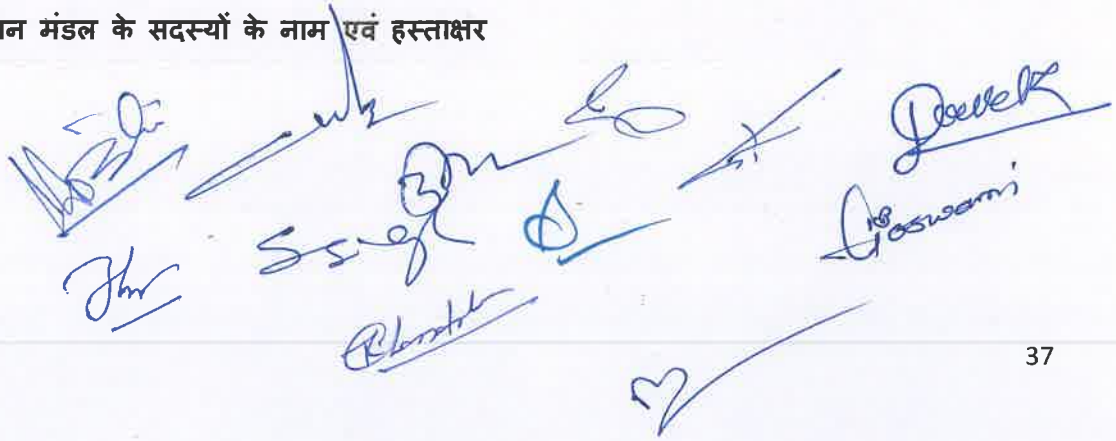

**सत्र 2025-2026**

## बी.ए. सप्तम सेमेस्टर

## इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES,III), हिंदी

आधुनिक गद्य साहित्य (भाग-1)

(नाटक एवं कहानी)

**पाठ्यक्रम कोड :**

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक :- 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य-**

**इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है,** विद्यार्थियों **को-**

1. हिंदी नाटकों की आधुनिक संवेदना और समकालीन जीवन-बोध के सम्बंध के प्रति सजगता प्रदान करना।
2. हिंदी नाट्य-परंपरा के अध्ययन के प्रति उनमुख कराना।
3. हिंदी-गद्य के वैभव और संवेदनात्मक उत्कर्ष । विशेषतः निबंध और कहानी के संदर्भ में सामान्य जानकारी प्रदान करन्त।
4 हिंदी में मध्य लेखन के पति रचनात्मक रूप से उन्मुख और अभिप्रेरित करना।

**पाठ्यक्रम विवरण**

**इकाई 1** : नाटक: स्कंदगुप्त जयशंकर प्रसाद

**इकाई 2** : नाटक आधे अधूरे मोहन राकेश

**इकाई 3** : निबंध

| | | |
|---|---|---|
| 1. चढ़ती उमर | - | बालकृष्ण भट्ट |
| 2. कविता क्या है | - | आचार्य रामचन्द्र शुक्ल |
| 3. भारतीय साहित्य की प्राण शक्ति | - | आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी |
| 4. जानि शरद ऋतु खंजन आए | - | रामवृक्ष बेनीपुरी |
| 5. चन्द्रमा मनसो जातः | - | विद्या निवास मिश्र |
| 6. वैष्णव की फिसलन | - | हरिशंकर परसाई |

**इकाई 4** : कहानी :

| | | |
|---|---|---|
| 1. उसने कहा था | - | चन्द्रधर शर्मा गुलेरी |
| 2. गुंडा | - | जय शंकर प्रसाद |
| 3. कफन | - | प्रेमचन्द |
| 4. जाहनवी | - | जैनेन्द्र कुमार |
| 5. अमृतसर आ गया | - | भीष्म साहनी |
| 6. वापसी | - | उषा प्रियंवदा |

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम**

1. हिन्दी की आधुनिक नाट्य-परम्परा का ज्ञान हो सकेगा।
2. हिन्दी निबंध के गद्यात्मक वैभव का साक्षात्कार हो सकेगा।
3. हिन्दी कहानी की परम्परा का ज्ञान हो सकेगा।
4. गद्य-लेखन का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हो सकेगा।

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2 X 1= 02 | 2X 1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 |
| **कुल अंक** | **20** | **20** | **20** | **20** |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

**संदर्भ ग्रंथ :-**


1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास : डॉ. दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाटक सिद्धांत और विवेचन : डॉ. गिरीश रस्तोगी
3. हिन्दी नाटक पुनर्मूल्यांकन : डॉ. सत्येन्द्र तनेजा
4. समसामयिक हिन्दी नाटकों में चरित्र सृष्टि : डॉ. जयदेव तनेजा
5. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
6. हिन्दी निबंध के आधार स्तंभ : डॉ. हरिमोहन
7. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र
8. हिन्दी कहानी उद्भव और विकास : डॉ. सुरेश सिन्हा
9. कहानी स्वरूप और संवेदना : श्री राजेन्द्र यादव
10. हिन्दी कहानियों की शिल्प विधि का विकास : लक्ष्मीनारायण लाल
11. कहानी: नयी कहानी : डॉ. नामवर सिंह
12. नाटक, रंगमंच और मोहन राकेश : डॉ. सुरेन्द्र यादव
13. प्रसाद युगीन हिन्दी नाटक : डॉ. भगवती प्रसाद शुक्ल
14. प्रसाद युगीन हिन्दी नाट्य शिल्प : डॉ. शांति स्वरूप गुप्त
15. नाटककार मोहन राकेश : डॉ. सुन्दर लाल कथूरिया


**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

**सत्र 2025-2026**

**बी.ए. सप्तम सेमेस्टर**

**इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES,IV), हिंदी**

जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी ( भाग 1 )

**छत्तीसगढ़ी भाषा , संस्कृति एवं लोक वाड्मय**

**पाठ्यक्रम कोड :**

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक :- 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य-**

**इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है,** विद्यार्थियों **को-**

1. छत्तीसगढ़ के भौगोलिक स्वरूप, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक वैशिष्ट्य का सामान्य बोध उत्पन्न करना।
2. छपतीसगढ़ी के लोक-साहित्य से परिचय तथा उसके प्रति रुचि विकसित करना।
3. छत्तीसगढ़ी लोक जीवन के विषय में सामान्य जानकारी तथा छत्तीसगढ़ी जानने-सीखने की प्रेरणा उत्पन्न करना।
4. छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाज से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम विवरण**

**इकाई 1.** छत्तीसगढ़ सामान्य परिचय, भौगोलिक विस्तार, ऐतिहासिकता, नामकरण, सांस्कृतिक वैशिष्ट्य, भाषाएँ एवं बोलियों, छत्तीसगढ़ी का उद्विकास, भाषिक स्वरूप एवं व्याकरणिक विशेषताएँ।

**इकाई 2.** छत्तीसगढ़ी लोकवार्ता छत्तीसगढ़ का लोकजीवन, लोक परंपराएँ, रीति रिवाज, पर्व, त्यौहार, लोकसाहित्य, लोककाव्य, लोकगाथा, लोककथा, लोकनाट्य का परिचयात्मक अध्ययन।

**इकाई 3.** छत्तीसगढ़ी लोककाव्य विभिन्न विधाएँ-करमा, ददरिया, सुआगीत, विवाहगीत, सोहरगीत (प्रत्येक विधा से संबंधित दो लोकगीत) ।

**इकाई 4.** छत्तीसगढ़ी लोकगाथा दसमत कैना (पाठ एवं विश्लेषण) ।
छत्तीसगढ़ी लोककथा सबले बड़े के खोज, चतुरा सगा, जा रे ठेकवा नेवता खा, घोड़ीवाला जिमीदार।

**नोट :-** लोकवार्ता के संकलन हेतु छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में तथा दसमत कैना की ऐतिहासिकता के परीक्षण हेतु उससे संबंधित स्थलों के शैक्षणिक भ्रमण के उपरांत विद्यार्थियों द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की जायेगी

**पाठ्यकम अधिगम परिणाम**

1. छत्तीसगढ़ के भौगोलिक स्वरूप, ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक वैशिष्ट्य का ज्ञान होगा।
2. छत्तीसगढ़ी के लोक साहित्य से परिचय हो सकेगा।
3. छत्तीसगढ़ी लोक जीवन के विषय में सामान्य जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
4. छत्तीसगढ़ी जानने-सीखने की प्रेरणा उत्पन्न होगी। साथ ही छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परम्परा, रीति-रिवाज से परिचय होगा।

**अंक विभाजन -** प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय- सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2 X 1= 02 | 2X 1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 |
| कुल अंक | 20 | 20 | 20 | 20 |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

**संदर्भ ग्रन्थ**


1. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य सं.डॉ. सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन, एम.आई.जी.5, सेक्टर 1. शंकर नगर, रायपुर
2. छत्तीसगढ़ी साहित्य दशा और दिशा नंद किशोर तिवारी, अमीन पारा चौक, पुरानी बस्ती, रायपुर
3. छत्तीसगढ़ी दिग्दर्शन (भाग 1. 2. 3) मदन लाल गुप्ता, श्री प्रकाशन, ए-14, आदर्श नगर, दुर्ग
4. छत्तीसगढ़ी गीत सं. जमुना प्रसाद कसार, श्री प्रकाशन, ए-14, आदर्श नगर, दुर्ग
5. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग
6. छत्तीसगढ़ी का उद्विकास डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा
7. छत्तीसगढ़ी बोली व्याकरण और कोश डॉ. कांति कुमार जैन,
8. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का अध्ययन दयाशंकर शुक्ल, वैभव प्रकाशन, रायपुर
9. छत्तीसगढी लोक जीवन और लोक साहित्य का अध्ययन डॉ. शकुन्तला वर्मा
10. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्यों में शास्त्रीय तत्व, डॉ. शैलजा चन्द्राकर, श्री लब्धिसूरी फाउण्डेशन, दुग्गड़ सदन, दुर्ग
11. छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन, नंद किशोर तिवारी
12. लोक मड़ईः सं. डॉ. जयप्रकाश, लोक मड़ई उत्सव समिति, ग्राम आलिवारा, तह, डोंगरगढ़ जि. राजनांदगांव
13. छत्तीसगढी व्याकरण डॉ. चंद्र कुमार चंद्राकर, शताक्षी प्रकाशन, रायपुर
14. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश डॉ. चंद्रकुमार चंद्राकर, शताक्षी प्रकाशन, रायपुर
15. छत्तीसगढ़ी के प्रकाशित आंचलिक उपन्यास डॉ. श्रीमती कृष्णा चटर्जी वैभव प्रकाशन दिल्ली
16. माई कोठी के धान: जीवन यदु
17. दसमत: यशवंत साहू 'कॉगनिहा' यशवंत साहू कोगनिहा
18. ओड़ जाति की लोककथाएं डॉ. सरिता यशवंत साहू हिन्दी साहित्य सदन, नई दिल्ली


**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

**सत्र 2025-2026**

**बी.ए. सप्तम सेमेस्टर**

**इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES,IV), हिंदी**

लोक साहित्य ( वैकल्पिक प्रश्न पत्र ) भाग - 01

**पाठ्यक्रम कोड :**

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक :- 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य**

**इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है,** विद्यार्थियों **में -**

1. भारतीय लोकजीवन के सैद्धांतिक स्वरूप के प्रति समझ विकसित करना।
2. देश की लोक-संपदा के प्रति जागरुकता उत्पन्न करना।
3. लोक-साहित्य और संस्कृत वांग्मय के बीच संवाद के विषय में सजगता विकसित करना।
4. श्रमजीवी समाज और उसकी संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान के भाव का विकास करना।

**पाठ्यक्रम विवरण**

**इकाई 1.** लोक और लोकवार्ता, लोकवार्ता और विज्ञान। लोक संस्कृति अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य। लोक-साहित्य अवधारणा, संस्कृत वाङ्मय में लोकोन्मुखता। हिन्दी के आरंभिक साहित्य में लोक तत्व, वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अतः संबंध। लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध।

**इकाई 2.** भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास।
हिन्दी लोक साहित्य को विशिष्ठ अध्येता। लोक साहित्य की अध्ययन-प्रक्रिया एवं संकलन की समस्यायें। लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण - लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकगाथा, लोकनृत्य-नाट्य। लोकसंगीत।

**इकाई 3.** लोकगीत संस्कारगीत, व्रतगीत, जातिगीत।
लोकनाट्य रामलीला, रासलीला, कीर्तनियां, स्वांग, यक्षगान, भवाई सैपेड़ा, विदेसिया, माच, भाँड, तमाशा, नौटंकी, जात्रा, कथकली।
हिन्दी लोकनाट्य की परंपरा एवं प्रविधि।
हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव।
लोककथा- व्रतकथा, परीकथा, नागकथा, बोधकथा, कथानक रूढ़ियों अथवा अभिप्राय।

**इकाई 4.** लोकगाथा ढोला-मारू, गोपीचंद भरथरी, लोरिकायन, नल-दमयंती, लैला-मजनूँ,
हीर-रांझा, सोहनी-महिवाल, लोरिक चंदा, बगडावत, आल्हा-हरदौल।
लोक-नृत्य-नाट्य। लोक संगीत लोकवाद्य तथा विशिष्ट लोक धुनें।
लोक-भाषा: लोक-सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ।

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम**

इस पाठ्यक्रम का आध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों में

1. भारतीय लोकजीवन के सैद्धांतिक स्वरूप के प्रति समझ विकसित हो सकेगी।
2. देश की लोक-संपदा के प्रति जागरुकता विकसित हो सकेंगी।
3. लोक-साहित्य और सस्कृत वांग्मय के बीच संवाद का सम्यक ज्ञान हो सकेगा।
4. अभिजात साहित्य और लोक-साहित्य के बीच अंतरसंबंधों की समझ विकसित हो सकेगी।
5. श्रमजीवी समाज और उसकी सस्कृति के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान के भाव का विकास होगा।

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2 X 1= 02 | 2X 1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 |
| **कुल अंक** | **20** | **20** | **20** | **20** |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

**संदर्भ :-**


1. लोक-साहित्य विज्ञान : डॉ. सत्येन्द्र
2. लोकसाहित्य की भूमिका डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
3. राजस्थानी लोकसाहित्य का सैद्धांतिक विवेचन डॉ. सोहनदान चारण
4. हिन्दी का प्रादेशिक लोकसाहित्य शास्त्र: डॉ. नन्दलाल कल्ला


**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

# हिंदी अष्टम सेमेस्टर

## सत्र 2025-2026

कोर पाठ्यक्रम (DSC)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES- I)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES- II)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES- III)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (DES- IV)

इलेक्टिव पाठ्यक्रम (वैकल्पिक) (DES- IV)

**सत्र 2025-2026**

**बी.ए. अष्टम सेमेस्टर**

**मूल पाठ्यक्रम (Core Course, DSC), हिंदी**

# हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग - 2

## (उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक )

**पाठ्यक्रम कोड :**

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक : 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

**इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है. विद्यार्थियों को -**

1. रीतिकाल की साहित्यिक परंपरा का सम्यक ज्ञान तथा रीति-साहित्य को समझने की दृष्टि प्रदान करना।
2. आधुनिकता और नवजागरण की ज्ञान-परंपरा और उसकी सामान्य पृष्ठभूमि की जानकारी प्रदान करना।
3. हिंदी के आधुनिक साहित्य की सामाजिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना तथा समाजशास्त्रीय पद्धति से उसे समझने की प्रणालियों की जानकारी देना।
4. हिंदी में गद्य के विकास के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी प्रदान करना।

**पाठ्यक्रम विवरण**

**इकाई 1** उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) काल सीमा, नामकरण, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियों एवं विशेषताएँ। रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएँ।

**इकाई 2** आधुनिक काल आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि । 1857 की राज्य क्रांति एवं पुनर्जागरण, भारतेन्दु युग-प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएँ।

**इकाई 3** द्विवेदी युग - प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएँ, छायावाद प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएँ। छायावादोत्तर काल (विभिन्न प्रवृत्तियों) प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, स्वच्छन्दतावाद सामान्य परिचय।

**इकाई 4** हिन्दी गद्य का विकास गद्य साहित्य के विभिन्न रूपों कहानी, उपन्यास, निबंध का उद्भव और विकास, सामान्य प्रवृत्तियों नाटक का उद्भव, विकास और सामान्य प्रवृत्तियों (गीति नाटकों का परिचयात्मक विवेचन) ।

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम**

**इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को**

1.हिन्दी के आधुनिक साहित्य की सामाजिक पृष्ठभूमि से अवगत होंगे|

2. हिन्दी-साहित्य के ऐतिहासिक विकास और हिंदी समाज के विकास के बीच पारस्परिक सम्बंध की समझ निर्मित होगी|

3. रीतिकाल के सामाजिक परिप्रेक्ष्य और राष्ट्रीय सामासिक संस्कृति के विकास में उसके प्रभाव को समझने की प्रक्रिया और दृष्टिकोण से अवगत होगें।

4. भारतीय संस्कृति के बहुलतावादी और उसके समन्वयात्मक स्वरूप पर विश्वास पैदा होगा।

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2 X 1= 02 | 2X 1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 |
| कुल अंक | 20 | 20 | 20 | 20 |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

**संदर्भ :-**


1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ डॉ. नामवर सिंह
2. हिन्दी साहित्य बींसवीं शताब्दी नन्ददुलारे बाजपेयी
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास कृष्ण शंकर शुक्ल
4. गद्य की विविध विधाएँ - डॉ. बापूराव देसाई
5. हिन्दी कहानी - उद्भव और विकास डॉ. सुरेश सिन्हा
6. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ डॉ. शशि भूषण सिंह
7. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास डॉ. दशरथ ओझा


**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

**सत्र 2025-2026**

**बी.ए. अष्टम सेमेस्टर**

**इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES,I), हिंदी**

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग-2

(सगुण भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

**पाठ्यक्रम कोड :**

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक : 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य**

**इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है,** विद्यार्थियों **में -**

1. भक्ति साहित्य के स्वरूप तथा उसकी संवेदना से परिचित कराना।
2. भक्तिकाल के महान कवियों सूरदास और तुलसीदास के काव्य-वैशिष्ट्य और उनकी कविता की लोकहितकारी भूमिका के प्रति जागरुकता उत्पन्न करना।
3. रीति साहित्य के स्वरूप तथा उसकी भावभूमि से परिचित करना।
4. भक्तिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी प्रदान करना।

**पाठ्यक्रम विवरण**

**इकाई 1.** सूरदास पद संख्या भ्रमरगीत सार (संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल) (50 पद)। 1 से 10, 21 से 30, 51 से 60, 61 से 70, 81 से 90 तक (50 पद)।

**इकाई 2.** तुलसीदास रामचरित मानस (सुंदरकाण्ड) गीता प्रेस गोरखपुर।

**इकाई 3.** बिहारी बिहारी रत्नाकर, संपादक जगन्नाथ दास रत्नाकर (प्रारंभिक 100 दोहे)।

**इकाई 4.** घनानंद धनानंद कवित्त संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (प्रारंभिक 25 छंद) मध्यकालीन काव्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम**

1. मध्यकालीन सामंती समाज के भीतर विकसित काव्यबोध की जानकारी और समझ विकसित होगी।
2. भक्ति आंदोलन के प्रतिवादी स्वभाव का ज्ञान हो सकेगा।
3. मध्यकालीन साहित्य संस्कृति के प्रति अभिरुचि जागृत होगी।
4. रीतिकाल के हिंदी साहित्य की सामाजिक संवेदना का ज्ञान होगा।

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2 X 1= 02 | 2X 1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 |
| **कुल अंक** | **20** | **20** | **20** | **20** |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

**संदर्भ**


1. बिहारी डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2 तुलसीदास और उनका युग संदर्भ डॉ. भगीरथ मिश्र
3. सूरदास के काव्य का मूल्यांकन डॉ. रामरतन भटनागर
4. तुलसी साहित्य के नये संदर्भडॉ. एल.एन. दुबे
5. सूरदास डॉ. हरबंस लाल शर्मा
6. तुलसीदास प्रो. सतीश कुमार अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली


**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

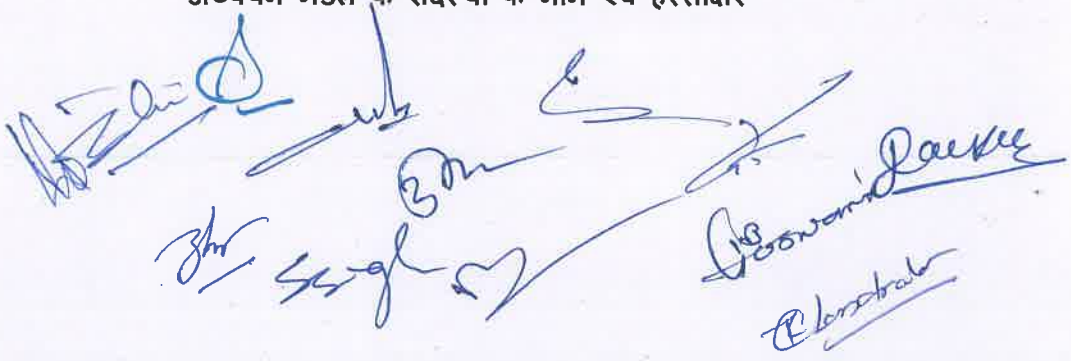

## सत्र 2025-2026

## बी.ए. अष्टम सेमेस्टर

## इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES,II), हिंदी

## काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन (भाग-2)

## (समीक्षा के प्रमुख सिद्धांत तथा हिन्दी समीक्षाशास्त्र)

## पाठ्यक्रम कोड :

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक :- 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को -

1, आधुनिक साहित्य-समीक्षा की प्रमुख वैचारिक प्रणालियों एवं उनके मानदंडों का सामान्य परिचय प्रदान करना।

2, हिंदी-आलोचना की विभिन्न धाराओं का परिचयात्मक ज्ञान प्रदान करना।

3, हिंदी के प्रमुख आलोचकों की समीक्षा-दृष्टि की जानकारी तथा हिंदी के निजी समीक्षाशास्त्र की संभावनाओं के संबंध में सजगता विकसित करना।

4, व्यावहारिक समीक्षा की विभिन्न पद्धतियों एवं प्रविधियों का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।

**पाठ्यक्रम विवरण**

**इकाई 1.** आधुनिक समीक्षा के प्रमुख सिद्धांतः अभिव्यंजनावाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद ।

**इकाई 2.** हिन्दी कवि-आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन लक्षण काव्य-परंपरा। हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों शास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी मनोविश्लेषणवादी, प्रगतिशील।

**इकाई 3.** प्रमुख हिंदी आलोचकों की समीक्षा-दृष्टि आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा ।

**इकाई 4.** व्यावहारिक समीक्षा: प्रश्नपत्र में पूछे गये किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा ।
निराला - कुकुरमुत्ता, जूही की कली । अज्ञेय - सामाग्री का नैवेद्यदान ।
मुक्तिबोध - भूल-गलती । रघुवीर - सहाय रामदास,

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम**

1. भारतीय तथा पाश्चात्य साहित्य के शास्त्रीय मानदण्डों से परिचय हो सकेगा।
2. साहित्य के आशंसन एवं मूल्यांकन की दृष्टि विकसति हो सकेगी।
3. आलोचना की शास्त्रीय तथा उन्मुक्त पध्दति का ज्ञान हो सकेगा।
4. काव्यशास्त्रीय पद्धति के आधार पर वर्तमान समय के साहित्य की आलोचना का पद्धतिगत ज्ञान हो सकेगा।

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2 X 1= 02 | 2X 1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 |
| कुल अंक | 20 | 20 | 20 | 20 |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :-


1. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत भाग 1 एवं 2 - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
2. हिन्दी आलोचना: उद्भव और विकास - डॉ. भागवत स्वरूप मिश्र
3. हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ - डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल
4. आलोचना के बदलते मानदण्ड और हिन्दी साहित्य - डॉ. शिवकरण सिंह
5. हिन्दी आलोचना का विकास - डॉ. नंदकिशोर नवल
6. अस्तित्ववाद : किर्कगार्द से कामू तक - योगेन्द्र शाही
7. आलोचक रामविलास शर्मा - रणधीर सिन्हा


**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

**सत्र 2025-2026**

**बी.ए. अष्टम सेमेस्टर**

**इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES,III), हिंदी**

आधुनिक गद्य साहित्य (भाग-2)

(उपन्यास एकांकी एवं चरितात्मक कृति)

**पाठ्यक्रम कोड :**

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक :- 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य**

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को-

1. हिंदी के गद्य-साहित्य का सामान्य परिचय प्रदान करना।
2. हिंदी-उपन्यासों के अनुभव-संसार के साक्ष्य से सामाजिक वास्तविकता के साक्षात्कार का प्रयत्न करना।
3. एकांकी विधा के विषय में जानकारी प्रदान करना तथा सामाजिक जीवन के साथ एकांकी के संबंधों का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।
4. हिंदी के गद्य-साहित्य से परिचय कराना तथा उसकी संवेदनात्मक बुनावट की समझ प्रदान करना।

**पाठ्यक्रम विवरण**

**इकाई - 1** उपन्यास - गोदान - प्रेमचन्द

**इकाई - 2** उपन्यास - मैला आंचल - फणीश्वरनाथ रेणु

**इकाई - 3** एकांकी

1. औरंगजेब की आखिरी रात - रामकुमार वर्मा
2. वसंत - अज्ञेय
3. स्ट्राइक - भुवनेश्वर
4. तौलिए - उपेन्द्रनाथ अश्क
5. मुर्गीवाला - प्रेम साइमन

**इकाई - 4** कथेतर गद्य साहित्य :-

पथ के साथी : महादेवी वर्मा (केवल दो निबंध) 1, निराला भाई 2, सुभद्रा

ऋण जल धन जल : फणीश्वर नाथ 'रेणु' - कुत्ते की आवाज

सौंदर्य की नदी नर्मदा : अमृतलाल वेगड़ - सौंदर्य की नदी नर्मदा

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. हिन्दी की आधुनिक उपन्यास का ज्ञान हो सकेगा।
2. हिन्दी के गद्यात्मक वैभव का साक्षात्कार हो सकेगा।
3. हिन्दी एकांकी की परम्परा का ज्ञान हो सकेगा।
4. गद्य-लेखन का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हो सकेगा।

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2 X 1= 02 | 2X 1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 |
| कुल अंक | 20 | 20 | 20 | 20 |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :-


1. प्रेमचंद और उसका युग- डॉ. रामविलास शर्मा
2. गोदान के अध्ययन की समस्याएँ डॉ. गोपाल राय
3. कथाकार फणीश्वर नाथ रेणु चंद्रभान सोनवणे
4. हिन्दी उपन्यास की शिल्पविधि का विकास डॉ. सिद्धनाथ तनेजा
5. प्रेमचन्द एक अध्ययन- डॉ. राजेश्वर गुरू
6. हिन्दी उपन्यास उद्भव और विकास डॉ. सुरेश सिन्हा
7. हिन्दी के प्रमुख आंचलिक उपन्यासकार डॉ. शकुन्तला सिंह
8. हिन्दी एकांकी की उद्भव और विकास डॉ. रामचरण महेन्द्र
9. हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास डॉ. सिद्धनाथ कुमार
10. हिन्दी रंगकर्म दशा और दिशा डॉ. जयदेव तनेजा
11. महादेवी : प्रतिनिधि गद्य रचनाएँ संपादक रामजी पाण्डेय


**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

**सत्र 2025-2026**

**बी.ए.अष्टम सेमेस्टर**

**इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES,IV), हिंदी**

जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी ( भाग 2 )

**(छत्तीसगढ़ी काव्य एवं गद्य साहित्य)**

**पाठ्यक्रम कोड :**

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक :- 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य**

**इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्रद्यर्थियों को-**

1. छत्तीसगढ़ी भाषा सीखने की दिशा में रुझान विकसित करना।
2. छत्तीसगढ़ी के शिष्ट साहित्य के प्रति जागरुकता उत्पन्न करना।
3. उत्तीसगढ़ की संघर्ष-परम्परा, विशेषतः 1857 के क्रांतिकारी योद्धा वीर नारायणसिंह के जुझारु व्यक्तित्व तथा पथ स्वाधीनता संघर्ष में उनके योगदान के विषय में आगरुकता विकसित करना।
4. छत्तीसगढी उपन्यास और नाटकों का परिचय करना।

**पाठ्यक्रम विवरण**

**इकाई 1.** सुन्दरलाल शर्मा, मुकुटधर पाण्डेय, नारायणलाल परमार, डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा, भगवतीलाल सेन, मुरली चन्द्राकर का रचनात्मक परिचय

**इकाई 2.** सतवंतिन सुकवारा - श्याम लाल बतुर्वेदी । कउंवा, कबूतर अउ मनखे - परमानंद वर्मा । फिरंतिन मौसी दाई: - शिवशंकर शुक्ल । गोरसी के गोठ - डॉ. पालेश्वर शर्मा ।

**इकाई 3.** अमर शहीद वीर नारायण सिंह (छत्तीसगढ़ी खंड काव्य) हरि ठाकुर (सर्ग 1, 2, 3)। करमछड़हा (नाटक) खूबचंद बघेल। परेमा (एकांकी) नंद किशोर तिवारी ।

**इकाई 4.** आवा (उपन्यास) परदेसीराम वर्मा एवं बहू हाथ के पानी (उपन्यास) दुर्गा प्रसाद पारकर

**पाठ्यकम अधिगम परिणाम**

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और सांस्कृतिक वैशिष्ट्य का ज्ञान होगा।
2. छत्तीसगढ़ी के लोक साहित्य से परिचय हो सकेगा।
3. छत्तीसगढ़ी लोक जीवन के विषय में सामान्य जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
4. छत्तीसगढ़ी जानने-सीखने की प्रेरणा उत्पन्न होगी। साथ ही छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परम्परा, रीति-रिवाज से परिचय होगा।
5. छत्तीसगढ़ी साहित्य से परिचित होंगे ।

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2 X 1= 02 | 2X 1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 |
| **कुल अंक** | **20** | **20** | **20** | **20** |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

**संदर्भ**


1. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य सं. डॉ. सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन
एम.आई.जी.-5 सेक्टर-1, शंकर नगर, रायपुर
2. छत्तीसगढ़ी दिग्दर्शन (भाग 1, 2, 3) मदनलाल गुप्ता, श्री प्रकाशन ए-14 आदर्श नगर दुर्ग
3. छत्तीसगढ़ी साहित्य दशा और दिशा नंद किशोर तिवारी, आमीनपारा चौक, पुरानी बस्ती, रायपुर.
4. अमर शहीद वीर नारायण सिंह (खंड काव्य): हरि ठाकुर
5. आवा परदेसी राम वर्मा
6. मुरली के धुन मुरली चंद्राकर, छ.ग. कल्याण महासंघ, दुर्ग
7. देख रे आंखी सुन रे कान भगवती लाल सेन, हिन्दी साहित्य समिति, धमतरी


**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**

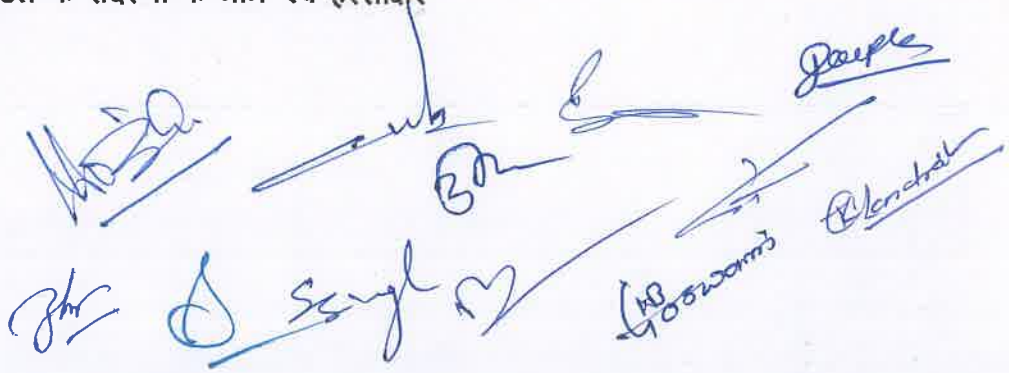

**सत्र 2025-2026**

**बी.ए.अष्टम सेमेस्टर**

**इलेक्टिव पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective, DES,IV), हिंदी**

लोक साहित्य भाग - 02

**छत्तीसगढ़ी : छत्तीसगढ़ी लोक काव्य एवं कथा साहित्य ( वैकल्पिक प्रश्न पत्र )**

**पाठ्यक्रम कोड :**

**क्रेडिट : 4**

**पूर्णांक :- 100**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य**

**इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्रद्यर्थियों में-**

1. छत्तीसगढ़ की वाचिक परम्परा और उसकी समृद्ध विरासत का सम्यक समझ उत्पन्न करना।
2. छत्तीसगढ़ के लोकजीवन और छत्तीसगढ़ी सौक-साहित्य के विषय में समुचित आगरुकता, अभिरुचि और संवेदनशीलता विकसित करना।
3. छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक अतीत के प्रति गौरव का बोध उसके श्रमजीवी समाज तथा उसकी लोक-संस्कृति के प्रति सम्मान भाव जागृत करना।

**पाठ्यक्रम विवरण**

**इकाई-1.** छत्तीसगढ़ी लोक-काव्य करमा गीत, ददरिया गीत, सुआ गीत, फाग गीत, गउरा गीत, भोजली गीत, संस्कार गीत (सोहर गीत, बिहाव गीत), जस गीत, पंथी गीत

**इकाई-2** छत्तीसगढ़ी लोक-कथा सामान्य परिचय। लोक-कथा बकरी और बाघिन, देही तो कपाल का करही गोपाल, महुआ का पेड़, बाघ और सियार, चम्पा और बॉस।

**इकाई-3.** छत्तीसगढ़ी लोकगाथा परिचयात्मक अध्ययन। लोकगाथा दसमत कैना, कुँअर अछरिया, लोरिक-चंदा, पंडवानी।

**इकाई-4.** छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य : परिचयात्मक अध्ययन। लोकनाट्य - नाचा, रहस, समकालीन नाट्य-रूप : चंदैनी गोंदा। पुष्कल साहित्य : जनउला, हाना।

**पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम**

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों में

1. छत्तीसगढ़ की वाचिक परम्परा और उसकी समृद्ध विरासत का सम्यक ज्ञान हो सकेगा।
2. छत्तीसगढ़ के लोक-जीवन के विषय में समझ और संवेदनशीलता विकसित हो सकेगी।
3. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य का समुचित जान हो सकेगा।
4. छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक अतीत के प्रति गौरव का बोध होगा।
5 छत्तीसगढ़ के श्रमजीवी समाज और उसकी संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान का भाव का विकास होगा |

**अंक विभाजन -**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में चार खण्ड (A, B, C, D) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय-सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 80 अंकों का होगा। आंतरिक मूल्यांकन में 20 अंक होंगे।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई-1 | इकाई-2 | इकाई-3 | इकाई-4 |
|---|---|---|---|---|
| A अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2 X 1= 02 | 2X 1= 02 |
| B अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 2 वाक्य) | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X 1= 02 | 2X1= 02 |
| C लघु उत्तरीय प्रश्न / व्याख्या (अधिकतम 150 शब्द) | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 | 6 X 1 =06 |
| D दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 350 शब्द) | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 | 10 X 1 =10 |
| कुल अंक | 20 | 20 | 20 | 20 |

प्रश्न A तथा प्रश्न B अनिवार्य होंगे। प्रश्न C तथा प्रश्न D के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्प-युक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

**संदर्भ-ग्रंथ एवं वेब- लिंक**


1. छत्तीसगढ़ी दिग्दर्शन: मदन लाल गुप्ता
2. छत्तीसगढ़ी गीत : संपादक-जमुना प्रसाद कसार
3. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य डॉ. सत्यभामा आडिल
4. छत्तीसगढ़ी साहित्य नंदकिशोर तिवारी
5. छत्तीसगढ़ी भाषा और लोक-साहित्य डॉ. बिहारी लाल साहू
6. छत्तीसगढ़ी लोकोक्तियों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन मन्नूलाल यदु
7. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य में शास्त्रीय तत्व डॉ. शैलजा चंद्राकर
8. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा महावीर अग्रवाल
9. दसमत कैना संपादक जय प्रकाश
10. कुँअर अछरिया: संपादक जयप्रकाश
11. छत्तीसगढ़ी लोककथाएँ http://ignca.nic.in/coilnet/chgr0034.htm#bakari


**अध्ययन मंडल के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर**